WORLD ENVIRONMENT DAY

नवभारत टाइम्स NBT Lucknow Times masalamix OF INDIA

नवभारत टाइम्स, नई दिल्ली/लखनऊ, सोमवार, 5 जून 2017 I ADVERTORIAL ENTERTAINMENT PROMOTIONAL FEATURE

Pics : Vikas Babu

कुदरत को संवारने की कोशिशें

TO BE CONTINUED...

पार्क में उगा रहे फल और सब्जी

5 जून को पर्यावरण दिवस है। बताने की जरूरत नहीं है कि आज पर्यावरण की क्या हालत है। यह हालत किसी एक दिन का नतीजा नहीं है। जाहिर सी बात है कि इसमें सुधार भी एक दिन में नहीं होगा। कुछ लखनवाइट्स ने पर्यावरण को बचाने की दिशा में अपनी कोशिशें शुरू की हैं। कोई पानी बचाकर तो कोई कचरे से खाद बनाकर अपनी कोशिशों को अंजाम दे रहा है। ये कोशिशें तो जारी हैं पर पर्यावरण की हालत देखते हुए जरूरत है कि हर कोई इस काम में अपनी हिस्सेदारी निभा।

हर महीने बचाते हैं 50 हजार लीटर पानी

पर्यावरण संरक्षण की ओर नगर निगम ने भी कदम बढ़ाने शुरू कर दिए हैं। नगर निगम का कान्हा उपवन प्रदेश के लिए मॉडल है। सरकार ने प्रदेश भर में बेसहारा पशुओं के लिए ऐसे ही शेल्टर की योजना शुरू की है। खास बात यह है कि यहां गाय के गोबर से खाद और बिजली बनाई जाती है। इस बिजली का इस्तेमाल यहां के वेटेनरी हॉस्पिटल के लिए किया जाता है। इस बायोगैस प्लांट को इमरान चलाते हैं। नगर निगम ने उनकी तकनीक को आजमाया और 30 साल के लिए प्लांट उन्हें लीज पर दिया। इमरान के मुताबिक, बायोगैस से गैस जनरेटर चलाकर 125 किलोवोल्ट बिजली बनाई जाती है। इस बिजली को हॉस्पिटल, कर्मचारियों के घरों और कान्हा उपवन की कैंटीन में इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा नगर निगम ने एक कदम और बढ़ाते हुए यहां 500 किलोवोल्ट का एनर्जी प्लांट भी लगाया है। यह प्लांट रिफ्यूज्ड डिराइव्ड फ्यूल (जलाए जाने योग्य लकड़ी, प्लास्टिक और अन्य पदार्थ) को नियंत्रित ऑक्सीजन की मौजूदगी में जलाने पर निकली गैसों से चलता है। फिलहाल यहां 125 किलोवोल्ट के जनरेटर से प्लांट के ऑफिस और लैब को बिजली सप्लाई की जा रही है।